जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – जनवरी 2022 ।। अंक – 18 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

आजीविका के नये आयाम
जल जीवन हरियाली के नाम
(पृष्ठ – 02)

शराब के खिलाफ सामूहिक आवाज
(पृष्ठ – 03)

तीसरी लहर से अछुता रहा बिहार:
जीविका दीदियों ने निभाई
बड़ी भूमिका
(पृष्ठ – 04)

समाज सुधार अभियान द्वारा आया बिहार में नया विहान

बिहार हमेशा से देश को राह दिखाने वाला राज्य रहा है। बिहार ने सामाजिक सुधार के कई नए मानक देश के सामने स्थापित किया है। समाज सुधार के लिए बिहार की पहलकदमियों को देश ने हमेशा से स्वीकार किया है। हाल के दिनों में राज्य सरकार द्वारा पूर्ण मद्य निषेध की नीति, दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के उन्मूलन के साथ–साथ महिलाओं के उत्थान एवं उनके अधिकार के लिए किए गए प्रयास सर्वप्रशंसनीय है। सरकार के सामाजिक सुधार की भूमिका की एक बानगी जीविका भी है। जीविका के प्रयासों का नतीजा है कि राज्य की महिलाओं के जीवन में एक नया विहान आया है। जीविका भारत की सबसे बड़ी महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम है, जो ग्रामीण बिहार में 1 करोड़ 27 लाख से अधिक परिवारों के साथ प्रत्यक्ष रूप से कार्य करती है। सरकार के समाज सुधार के प्रयासों को जीविका ने हमेशा से आगे बढ़ाने का कार्य किया है। पूर्ण शराबबंदी हो, दहेज एवं बाल विवाह के उन्मूलन की बात हो या फिर स्वच्छता, जल जीवन हरियाली जैसे अभियानों को सरजमीं पर उतारना हो जीविका दीदियों ने हमेशा सरकार का साथ दिया है और उसे पूर्णत: के साथ लक्ष्य तक पहुंचाया है। सतत् जीविकोपार्जन योजना द्वारा वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने के राज्य सरकार के अभिनव प्रयास को भी जीविका द्वारा आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

कोई भी समाज किसी खास मुद्दे पर तब तक पूरी तरह परिपक्व नहीं हो जाता, जब तक उसे संबंधित विषय पर लगातार जागरूक नहीं किया जाए। समाज को बेहतर बनाने एवं उसमें सुधार के लिए समय–समय पर प्रयास करने जरूरत होती है। बिहार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में किए गए कई ऐतिहासिक कार्यों में एक अतिमहत्वपूर्ण कार्य समाज को बेहतर बनाने का भी है। माननीय मुख्यमंत्री एक ऐसा समाज बनाना चाहते हैं जो शराब को हाथ न लगाए, दहेज न ले और बाल विवाह को प्रोत्साहित न करे। कुरीतियों को दूर किए बिना प्रदेश का समेकित विकास संभव नहीं है, इसी विचार को मूर्तरूप देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने समाज सुधार अभियान की शुरूआत की। अभियान के पहले चरण की शुरूआत 22 दिसंबर 2021 को मोतिहारी के गांधी मैदान से शुरू हुई। इसके बाद समाज सुधार अभियान के तहत 24 दिसंबर 2021 गोपालगंज, 27 दिसंबर 2021 को रोहतास, 29 दिसंबर 2021 को मुजफफरपुर, 30 दिसंबर 2021 को समस्तीपुर एवं 04 जनवरी 2022 को औरंगाबाद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत आयोजित यात्राओं में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जीविका दीदियों के साथ संवाद के साथ–साथ समाज सुधार अभियान के तहत संचालित गतिविधियों को भी चित्र प्रदर्शनी, झांकियों एवं अन्य माध्यमों से जाना। अभियान के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कई नए कार्यक्रमों की भी घोषणा की एवं विकसित एवं कुरीति मुक्त बिहार बनाने के अपने संकल्पों को दोहराया।

यात्रा के दौरान जीविका दीदियों के साथ संवाद में माननीय मुख्यमंत्री, बिहार ने शराबबंदी शुरू करने के लिए महिलाओं से मिली प्रेरणा के विषय में जानकारी दिया गया एवं शराब से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खराब प्रभाव का भी विस्तार से उल्लेख किया। दहेज उन्मूलन, बाल विवाह उन्मूलन, सतत् जीविकोपार्जन योजना एवं पूर्ण मद्यनिषेध जैसे विषयों पर जीविका दीदियों के अनुभवों को सुनकर माननीय मुख्यमंत्री काफी उत्साहित हुए। अपने यात्रा के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बदलते समाज का उदाहरण देते हुए कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी देते हैं। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा इस अभियान का काफी साकारात्मक असर दिखना शुरू हो गया है। ओमीक्रोन के कारण समाज सुधार अभियान को बीच में रोकना पड़ा। ऐसे यह अभियान फिर से आरंभ हो रहा है।

आजीविका के नये आयाम जल जीवन हरियाली के नाम

जीविका दीदियां जलवायु परिवर्तन से होने वाले कुपरिणामो को रोकने, जमीन के नीचे पानी के स्तर में सुधार करने एवं वृक्षारोपण करने को अग्रसर होने के साथ–साथ पोखर में मत्स्य पालन, बत्तख पालन कर रोजगार के अवसर को बढाई हैं।

रानीगंज प्रखंड अंर्तगत खरहट पंचायत के नारायणपुर गाँव की जीविका दीदियों ने गाँव में स्थित बेतौना मौजा के 3.24 एकड सरकारी तालाब में मत्स्य पालन करने पर निर्णय लिया। जिला पदाधिकारी ने जिला स्तरीय समिति की बैठक में वर्णित तालाब, जलपरी जीविका मत्स्य पालन उत्पादक समूह को हस्तांतरित करते हुए कार्य करने के लिये निर्दे I दिया। मार्च 2021 से जुलाई 2021 के बीच बायो फ्लश्वक के साथ–साथ बत्तख सेड बनकर तैयार हो गया। तालाब में सालोभर पानी बना रहे इसके लिये बिजली संचालित बोरिंग पंपसेट की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा के माध्यम से तालाब के चारों ओर वृक्षारोपण किया गया है। सौंदर्यीकरण हेतु तालाब के चारों ओर महार पर पेबर ब्लाक से सड़क बनाया गया है।

तालाब में सालोभर पानी रहने के कारण आस–पास जल का स्तर उपर हुआ है। अबतक इस तालाब से 369 किलोग्राम मछली को बेचकर 61500 रुपये तथा बायो फ्लश्वक से 109 किलोग्राम कबई मछली बेचकर 24974 रुपये जलपरी जीविका मत्स्य उत्पादक समूह को प्राप्त हुआ है। अभी भी तालाब व बायो फ्लश्वक में बिक्री हेतू आधे से अधिक मछली उपलब्ध है। बत्तख के अंडे की बिक्री भी हो रही है। अभी तक 909 अंडे को बेचा गया है जिससे 7272 रुपये जलपरी जीविका मत्स्य उत्पादक समूह को प्राप्त हुआ है।

शुदामा ने संघर्ष से तय किया सफलता का सफर

निभा दीदी अलौली प्रखंड खगड़िया की रहने वाली है। गरीबी के कारण दीदी पढाई नहीं कर सकी। दीदी की शादी बेगुसराय का रहने वाला मनोज कुमार से हो गई। मनोज कुमार ताड़ी एंव शराब का व्यवसाय करता था। साथ ही शराब का सेवन भी करता था। शराब पीकर नशे की हालत में निभा दीदी को प्रताडित करता एवं उसके साथ मार–पीट करता था। मनोज कुमार अपनी इसी बुरी लत में दूसरी शादी भी कर ली। दूसरी शादी करने के बाद निभा दीदी को घर से निकाल दिया। निभा दीदी को एक बेटा है। जिसके लेकर दीदी अलौली अपने मायके आ गई और अपने माँ–पिताजी के साथ रहने लगी। अलौली आने के बाद निभा दीदी काफी दिनों तक निभा दीदी रोती और अपने किस्मत को कोसती गुजार रही थीं। अत्यंत गरीबी में दीदी अपना जीवन व्यतीत कर रही थी। घर में खाने को अन्न नहीं था। फिर साल 2018 में दीदी को सतत जीविकापार्जन योजना से जोड़ा गया।दीदी को चॉदनी समूह से खुशी ग्राम संगठन स्वाभिमान संकुल संघ के अंतर्गत आता है से लाभार्थी के रूप में चयन किया गया। योजना के तहत दीदी ने किराने की दुकान खोली। दुकान से दीदी को रोजाना 200 से 300 रूपये की बचत हो जाती थी। अब इन पैसों से दीदी की खाने –पीने की कमी दूर हो गयी और दीदी और उनके परिवार को तीन समय का बढिया भोजन मिलने लगा। अपने रोजाना की आमदनी से ही बचत करके दीदी अपने बच्चे को पढाने लगी और उसके स्कूल जाने के लिए एक साइकिल खरीद कर भी दी। इसके अलावा दीदी ने सिलाई मशीन भी खरीदी। अगल–बगल के लोगों के कपड़े सिलकर दीदी अपने रोजगार को बढाने लगी। अपने लगन और बचत से दीदी ने अपने घर में शौचालय का भी निर्माण कराया। अब दीदी अपने दुकान और अपने दूसरे काम को और भी लगन से कर रही है ताकि और ज्यादा आमदनी से अपने परिवार को आराम से जीवन यापन कर सके। अभी दीदी की मासिक आमदनी 7 से 8 हजार के बीच हो रही है। अपने जीवन में आये इस बदलाव मे लिए निभा दीदी सतत जीविकापार्जन योजना और जीविका का दिल से धन्यवाद करती है।

मीना जीविका दीदी ने शराब तस्करों को कराया गिरफ्तार

जीविका अरवल के प्रखंड सोनभद्र बंशी सुर्यपुर में शिव जीविका समूह से जुड़ी है मीना कुमारी। शुरू से ही मीना जीविका दीदी को सामाजिक कार्यों में काफी रूचि रही है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए काम करना इन्हें काफी अच्छा लगता है। मीना दीदी बिहार में शराबंदी होने के दौरान अपने क्षेत्र में जन–जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने क्षेत्र के लोगों को शराब पीने की बुराईयों के बारे में जानकारी दी हैं, और शराब बेचने वाले तस्करों को पुलिस के हवाले भी की हैं। जिस कारण जिला पदाधिकारी, अरवल से सम्मान भी मीना कुमारी को मिला है।

साल 2018 कि बात है, जब मीना कुमारी अपने गाँव के नजदीकी बाजार कुर्था में अपने लिए जितिया बनवाने आई हुई थी। तभी उन्होंने दुकान के पास ही कुछ लोगों को शराब के बारे में बात करती हुई सुनी। तब मीना कुमारी ने उस व्यक्ति से जाकर, बोली कि भईया आप लोग शराब बेचने की बात कर रहें हैं। तब शराब के तस्करों ने साफ मना कर दिया, लेकिन मीना दीदी ने बार –बार पुछा और कहा कि मुझे शराब खरीदनी हैं, मुझे मन्नत उतारना है, मैं आपसे कितने भी पैसे में शराब ले सकती हूँ। तब जाकर शराब तस्करों ने मीना कुमारी को निर्धारित तिथि को 900/– रूपये में एक बोतल शराब देने की बात कही। मीना कुमारी को शराब तस्करों ने 2 दिन बाद फोन किया और कुर्था बाजार में आकर शराब लेने की बात कही। मीना कुमारी ने देरी ना करते हुए तुरंत टोल फ्री नंबर पर इसकी जानकारी दी। मीना दीदी को उधर से सम्बंधित अधिकारी का फोन नंबर दिया गया एवं मीना दीदी ने सम्बंधित अधिकारी से बात किया, उसके बाद सम्बंधित अधिकारी के द्वारा शराब के तस्करों को पकड़ने के लिए मीना दीदी के साथ 5 लोगों की टीम को भेजा गया। टीम ने मीना जीविका दीदी के साथ कार्य योजना बनाकर कुर्था बाजार में शराब तस्करों को रंगे– हाथ पकड़ा।

शराब के खिलाफ सामूहिक आवाज

कांति देवी जहानाबाद के हुलासगंज प्रखंड के कोकरशा पंचायत के रुस्तमपुर गांव में रहती है। वह कमल जीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष हैं, और विकास जीविका ग्राम संगठन की सचिव हैं। उनकी पंचायत और गांव में शराबबंदी अभियान में उनके प्रयास महत्वपूर्ण साबित हुए।

कांति संयुक्त परिवार में रह रही थी, और वह अपने साले रंगीत राम (बदला हुआ नाम) को देशी शराब की आदी हो रही थी और अपनी पत्नी पर हिंसक हो रही थी। यही वह समय था जब बिहार ने सभी प्रकार की शराब और ताड़ी के सेवन/बिक्री/परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। पूर्ण प्रतिबंध के बाद भी बेलदारी रुस्तमपुर में कुछ बदमाश शराब बेच रहे थे। यह देखकर कांटी ने विकास जीविका ग्राम संगठन में इस मुद्दे को उठाया। कांति देवी के नेतृत्व में महिलाएं शिकायत करने के लिए स्थानीय पुलिस के पास गईं। वे यहीं नहीं रुके, कांति देवी के नेतृत्व में महिलाओं का समूह फिर से शराब की दुकान पर गया और विनम्रता से उन्हंक दुकान बंद करने के लिए कहा और उन्हें बताया कि यह उनके परिवार को कैसे नष्ट कर रहा है। इसके साथ ही कांति देवी शराबबंदी से संबंधित अवैध गतिविधियों की सूचना देने के लिए बिहार सरकार द्वारा दिए गए नंबर पर नियमित रूप से कश्वल कर रही थी। कुछ लोगों ने कांति देवी के साथ व्यक्तिगत दुश्मनी की, लेकिन वह अपनी लड़ाई को आगे बढ़ाने में सक्षम थी क्योंकि वह जीविका की एकता और समुदाय–आधारित संस्थानों की शक्ति से अवगत थी। कुछ समय में, रुस्तमपुर की जीविका दीदी के सामूहिक प्रयासों ने परिणाम दिखाया क्योंकि शराब की दुकान बंद हो गई। कांति देवी यहीं नहीं रुकीं, आगे उन्होंने अन्य जीविका दीदी के साथ शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई और कभी–कभी नशे के आदी लोगों को सलाह भी दी।

तीसरी लहर से अछुता रहा बिहार: जीविका दीदियों ने निभाई बड़ी भूमिका

कोरोना वायरस से संक्रमण से बचाव हेतु चलाये जा रहे अभियान में आधी आबादी भी जुट गई है। राज्य में आधी आबादी का नेतृत्व जीविका दीदियाँ कर रही हैं। पहले एवं दुसरे लहर के बाद तीसरी लहर में भी पुरे बिहार राज्य के गाँव–गाँव में जीविका दीदियाँ कोरोना के संक्रमण से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चला रही हैं। ग्रामीणों को सोशल डिस्टेंस का पाठ पढ़ा रही हैं। इस कार्य में जीविका उन्हें संबल प्रदान कर रहा है। जीविका द्वारा संपोषित स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनो, एवं सकुल स्तरीय संघों के माध्यम से गाँव–गाँव में लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु जागरूकता कार्यक्रम हो या फिर आपदा, जीविका दीदियों ने सदैव अपनी तत्परता दिखलाते हुए समाज की सुरक्षा के लिए संघर्षरत रही हैं। खुद की भी परवाह न करते हुए ग्रामीण समाज और परिवार को विभिन्न सामाजिक कुरीतियों और बिमारियों से बचाने में जीविका दीदियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। जब भी राज्य को जरुरत पड़ी है जीविका दीदियों ने सरकार और प्रशासन के आह्वान पर कमान संभाली है और सकारात्मक परिणाम दिया है। कोविड–19 की पहली लहर में जीविका दीदियों ने सरकार और प्रशासन के साथ कदमताल करते हुए एक तरफ कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए गाँव–गाँव में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को घर में रहने, सामाजिक दुरी का अनुपालन करने एवं स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति सजग रहने का पाठ पढाया तो दूसरी तरफ राज्य में मास्क की कमी को पूरा किया। राज्य सरकार के विश्वास पर खरा उतरते हुए जीविका दीदियाँ विभिन्न रूपों में कोरोना वारियर्स के रूप में काम कर रही हैं। तीसरी लहर के बीच संक्रमण से बचाव के साथ–साथ टीकाकरण के लिए लोगों को प्रेरित करना भी एक बड़ा कार्य है। जीविका दीदियाँ कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु टीकाकरण अभियान में खुद टिका लेने के पश्चात छुटे हुए लोगों को टिका लेने के लिए प्रेरित भी कर रही हैं।

जीविका दीदियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाये जा रहे जागरूकता अभियान का असर ही रहा है कि बिहार तीसरी लहर के प्रकोप से अछुता रहा। और इसकी बढ़ी वजह यही रही है कि बड़े पैमाने पर ग्रामीणों ने पहला और दूसरा टीकाकरण कराया। और अब तो बूस्टर डोज के लिए भी जीविका दीदियाँ समूह, ग्राम संगठनो एवं संकुल स्तरीय संघो की बैठक के माध्यम से प्रेरित कर रही हैं। सभी अपने–अपने तरीके से कोविड के संक्रमण से बचने हेतु एहतियात बरत रहे हैं साथ ही दूसरों को भी जागरूक कर रहे हैं। जागरूकता अभियान में लगी जीविका दीदियों को हरसंभव कोशिश रही है कि हर परिवार तक पहुंचा जाये स सम्बद्ध पंचायत के घर–घर जाकर वे और उनकी टीम के सदस्य लोगों से उनके "स्वास्थ्य की जानकारी ले रही हैं, मास्क पहनने के लिए जागरूक कर रही हैं, हर बीस मिनट पर हाथ साफ करने के लिए प्रेरित करती हुई नजर आ रही है। तीसरी लहर के बीच बिहार में शादी– व्याह , श्राद्ध एवं अन्य कार्यक्रम भी हो रहे हैं। इन शादी व्याहों में सबसे बड़ी चुनौती बाहर से आये हुए लोगों और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति को लेकर भो लोगों को जागरूक करना है। ऐसे में जीविका दीदियाँ शादी– श्राद्ध एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित होने वाले स्थानों एवं घरों में भी जाकर लोगों को कोरोना नियमो एवं सरकार के निर्देशों के अनुपालन के लिए जागरूक कर रही हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से प्रभावित लोगों का काउंसिलिंग करते हुए उन्हें होम आइसोलेशन, दवा लेने एवं साफ–सफाई का महत्व समझाते हुए उनसे सामाजिक दुरी का अनुपालन करने का आग्रह भी कर रही हैं। कई ऐसी जीविका दीदियाँ भी हैं जिन्होंने लॉक डाउन की स्थिति में भी ग्रामीणों के लिए संबल बनी और लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने में योद्धा बनी। बक्सर जिले कि जीविका दीदी धनावती बताती हैं कि संक्रमण काल में लोगो को जागरूक करना हमारी जिम्मेवारी बनती है। जीविका ने इस कार्य के लिए इन्हें सशक्त किया है। संकट की इस घडी में हम जीविका दीदियाँ हर चुनौती का सामना करने को तैयार हैं। आज तीसरी लहर के दौरान पहले और दुसरे लहर की तरह जीविका दीदियाँ अहले सुबह से ही अपने घर से निकल खुद सोशल डिसटेनसिंग का पालन करते हुए मास्क लगाकर घर–घर जाकर ग्रामीणों को कोरोना के कहर से बचाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णियाँ
- श्री बिप्लव सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री विकास कुमार राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर
- सुश्री जूही – प्रबंधक संचार, खगड़िया